चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Times of India	31-3-24	05	1-2

THE TIMES OF INDIA
INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Haryana is 2nd largest contributor to central grains stock: HAU V-C

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: Haryana Agricultural University vice-chancellor Prof B R Kamboj on Saturday said Haryana was the second largest state contributing to the central food grains stock.

Addressing a seminar on "Agricultural Scientist Farmer Dialogue Regarding Achievements of Agricultu-

SEMINAR ON AGRICULTURE

ral University", Prof Kamboj said Haryana was smaller than other states in terms of area but it was the second largest contributor to central food grains stock. More than 60% of the country's basmati rice is exported from Haryana only, he added.

"Due to the continuous research work done by the scientists of Agricultural University, high technologies and hard work of the farmers, there has been a record increase in the food grain production of the state. Food grain production, which was only 2.59 million tonnes at the time of formation of the state, has increased seven times to 18.43 million tonnes in the year 2022-23," he said.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	31-3-24	12	2-6

कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां पर गोष्ठी का आयोजन

कृषि वैज्ञानिकों की उच्च तकनीक से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में शनिवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि एवं प्रस्तोता रहे जबकि अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद पंचकूला, पूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल एवं अध्यक्ष, पंचनद शोध संस्थान, चंडीगढ़ के प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की। विशिष्ठ अतिथि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जगजीत सिंह घनघस रहे। यह गोष्ठी पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

हिसार। गोष्ठी को संबोधित करते प्रो. बृज किशोर कुठियाला। फोटो: हरिभूमि

कृषक समाज से निरंतर संवाद कायम रखना जरूरी: प्रो. कुठियाला

प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने इस अवसर पर कहा कि विकसित भारत के मिशन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने किसानों एवं युवाओं से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ कृषकों को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने का भी आह्वान किया तथा कृषि को आकर्षक बनाने के लिए युवाओं में सामाजिक, आर्थिक व मनोविज्ञानिक बदलाव की जरूरत है। बड़े हर्ष की बात है कि हकृवि किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर न केवल नई-नई तकनीक व किस्में किसानों तक पहुंचा रहा है बल्कि किसानों की समस्याओं के फीडबैक के आधार पर अपने शोध को गति भी प्रदान कर रहा है।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शीध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। खाद्यान्न उत्पादन जो प्रदेश के गठन के समय मात्र 2.59 मिलियन टन था जो 7 गुणा बढ़कर वर्ष 2022-23 में 18.43 मिलियन टन हो गया है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों से छोटा है जबकि केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है।

राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सेक्टर बहुत जरूरी

विशिष्ठ अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सैक्टर बहुत जरूरी है। प्रदेश में गत 10 वर्षों से उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया करवाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 13 हजार लंबित कृषि नलकूप को भी बिजली से जोड़ा गया है। किसानों को सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता व उपाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने गोष्ठी में आए सभी का धन्यवाद किया तथा मंच का संचालन सचिव मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर राज्य सूचना आयुक्त, हरियाणा एवं पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित पंचनद संस्थान के अनेक पदाधिकारी, वैज्ञानिक, किसान व छात्र उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	31-3-24	03	1-4

प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन 25.9 से 7 गुना बढ़कर 181.3 लाख टन हुआ

हकृवि में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद व विवि की उपलब्धियां' विषय पर हुई गोष्ठी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि एचएयू के वैज्ञानिकों के शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन 25.9 से 7 गुना बढ़कर वर्ष 2022-23 में 181.3 लाख टन हो गया है।

एचएयू में गोष्ठी को संबोधित करते प्रो. बीआर कांबोज स्रोत : संस्थान

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित गण्यमान्य । स्रोत संस्थान

हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों से छोटा है जबकि केन्द्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। देश में 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है। किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने के लिए 20 हजार क्विंटल से अधिक विभिन्न फसलों के बीज तैयार कर किसानों को वितरित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 6.50 लाख किसानों को मौसम एवं कृषि संबंधी जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रत्येक गांव के 20-20 किसानों का डाटा बेस एकत्रित किया गया है।

प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विकसित भारत के मिशन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि को आकर्षक बनाने के लिए युवाओं में सामाजिक, आर्थिक व मनौविज्ञानिक बदलाव की जरूरत है।

एचएयू किसानों की समस्याओं के फीडबैक के आधार पर अपने शोध को गति भी प्रदान कर रहा है। कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पावर सेक्टर बहुत जरूरी है। लगभग 13 हजार लंबित कृषि नलकूप को भी बिजली से जोड़ा गया है। किसानों को सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता व उपाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने गोष्ठी में आए सभी का धन्यवाद किया तथा मंच का संचालन सचिव मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित अन्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	31-3-24	05	1-5

कृषि वैज्ञानिकों के शोध एवं उच्च तकनीक से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन की रिकार्ड बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 30 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि एवं प्रस्तोता व अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद पंचकूला, पूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल एवं अध्यक्ष, पंचनद शोध संस्थान, चण्डीगढ़ के प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की। विशिष्ट अतिथि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जगजीत सिंह घनघस रहे। यह गोष्ठी पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। खाद्यान्न उत्पादन जो प्रदेश के गठन के समय मात्र 2.59 मिलियन टन था जो 7 गुणा बढ़कर वर्ष 2022-23 में 18.43 मिलियन टन हो गया है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों से छोटा है जबकि केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने के लिए 20 हजार क्विंटल से अधिक विभिन्न फसलों के बीज तैयार कर किसानों को वितरित किए जा रहे हैं। कृषि तकनीकी को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है, इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा 6.50 लाख किसानों को मौसम एवं कृषि संबंधी जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रत्येक गांव के 20-20 किसानों का डाटा बेस एकत्रित किया गया है जिसके माध्यम से कृषि संबंधी जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विकसित भारत के मिशन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने किसानों एवं युवाओं से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ कृषकों को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने का भी आह्वान किया तथा कृषि को आकर्षक बनाने के लिए युवाओं में सामाजिक, आर्थिक व मनौविज्ञानिक बदलाव की जरूरत है। बड़े हर्ष की बात है कि हकृवि किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर न केवल नई-नई तकनीक व किस्में किसानों तक पहुंचा रहा है बल्कि किसानों की समस्याओं के फीडबैक के आधार पर अपने शोध को गति भी प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंचनद हकृवि के माध्यम से किसानों से संवाद शुरू करने की मुहिम को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सैक्टर बहुत जरूरी है। प्रदेश में गत 10 वर्षों से उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया करवाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 13 हजार लंबित कृषि नलकूप को भी बिजली से जोड़ा गया है। किसानों को सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता व उपाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने गोष्ठी में आए सभी का धन्यवाद किया तथा मंच का संचालन सचिव मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर राज्य सूचना आयुक्त, हरियाणा एवं पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य सहित पंचनद संस्थान के अनेक पदाधिकारी, वैज्ञानिक, किसान व छात्र उपस्थित थे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	31-3-24	04	1-5

कृषि वैज्ञानिकों के शोध एवं उच्च तकनीक से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन की रिकार्ड बढ़ौतरी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 30 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि एवं प्रस्तोता व अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् पंचकूला, पूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल एवं अध्यक्ष, पंचनद शोध संस्थान, चंडीगढ़ के प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की। विशिष्ट अतिथि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जगजीत सिंह घनघस रहे। यह गोष्ठी पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।

गोष्ठी को संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

गोष्ठी में उपस्थित शिक्षाविद् एवं विद्यार्थीगण।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ौतरी हुई है। खाद्यान्न उत्पादन जो प्रदेश के गठन के समय मात्र 2.59 मिलियन टन था जो 7 गुणा बढ़कर वर्ष 2022-23 में 18.43 मिलियन टन हो गया है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों से छोटा है जबकि केन्द्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है।

कृषक समाज से निरंतर संवाद कायम रखना जरूरी : प्रो. बृज किशोर कुठियाला

प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विकसित भारत के मिशन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने किसानों एवं युवाओं से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ कृषकों को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने का भी आह्वान किया तथा कृषि को आकर्षक बनाने के लिए युवाओं में सामाजिक, आर्थिक व मनौविज्ञानिक बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंचनद हकृवि के माध्यम से किसानों से संवाद शुरू करने की मुहिम की ओर अधिक गति प्रदान करेगा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर बल दिया।

विशिष्ठ अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सैक्टर बहुत जरूरी है। प्रदेश में गत 10 वर्षों से उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया करवाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 13 हजार लंबित कृषि नलकूप को भी बिजली से जोड़ा गया है। किसानों को सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता व उपाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने गोष्ठी में आए सभी का धन्यवाद किया तथा मंच का संचालन सचिव मोहित कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. संदीप आर्य सहित अनेक वैज्ञानिक, किसान व छात्र उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने के लिए 20 हजार क्विंटल से अधिक विभिन्न फसलों के बीज तैयार कर किसानों को वितरित किए जा रहे हैं। कृषि तकनीकी को किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय का एक ध्येय है, इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा 6.50 लाख किसानों को मौसम एवं कृषि संबंधी जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रत्येक गांव के 20-20 किसानों का डाटा बेस एकत्रित किया गया है जिसके माध्यम से कृषि संबंधी जानकारियां प्रदान की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31-3-24	02	3-5

उच्च तकनीक से खाद्यान उत्पादन में हुई रिकॉर्ड बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि. में गोष्ठी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि एवं प्रस्तोता व अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् पंचकूला, पूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल एवं अध्यक्ष, पंचनद शोध संस्थान, चण्डीगढ़ के प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की। विशिष्ठ अतिथि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जगजीत सिंह घनघस रहे। यह गोष्ठी पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई।प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है।

हकृवि में आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

निरंतर संवाद कायम रखना जरूरी: प्रो. कुठियाला प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने उनसे सीधे नई-नई तकनीक व किस्में किसानों तक पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचनद हकृवि के माध्यम से किसानों से संवाद शुरू करने की मुहिम को ओर अधिक गति प्रदान करेगा।

कृषि व पावर सेक्टर बहुत जरूरी : विशिष्ट अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सैक्टर बहुत जरूरी है। प्रदेश में गत 10 वर्षों से उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया करवाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	31-3-24	13	7-8

'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' पर गोष्ठी आयोजित

हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज। -हप्र

हिसार, 30 मार्च (हप्र)

कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। खाद्यान्न उत्पादन जो प्रदेश के गठन के समय मात्र 2.59 मिलियन टन था जो 7 गुणा बढ़कर वर्ष 2022-23 में 18.43 मिलियन टन हो गया है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने शनिवार को 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद-कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर आयोजित गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि एवं प्रस्तोता के तौर पर संबोधित करते हुए कही। गोष्ठी की अध्यक्षता हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की।

प्रो. कुठियाला ने कहा कि विकसित भारत के मिशन में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने किसानों एवं युवाओं से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ कृषकों को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने का भी आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	30.03.2024	--	--

कृषि वैज्ञानिकों के शोध व उच्चा तकनीक से प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन की रिकार्ड बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि वैज्ञानिकों का किसानों से संवाद- कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां' विषय पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि एवं प्रस्तोता व अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् पंचकूला प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने की।

गोष्ठी को संबोधित करते प्रो. बृज किशोर कुठियाला

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार किए जा रहे शोध कार्यों, उच्च तकनीकों तथा किसानों की कड़ी मेहनत के कारण प्रदेश के खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। खाद्यान्न उत्पादन जो प्रदेश के गठन के समय मात्र 2.59 मिलियन टन था जो 7 गुणा बढ़कर वर्ष 2022-23 में 18.43 मिलियन टन हो गया है। हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों से छोटा है जबकि केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में योगदान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। हरियाणा राज्य बाजरा, दलहन व तिलहन के उत्पादन में देशभर में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने के लिए 20 हजार क्विंटल से अधिक विभिन्न फसलों के बीज तैयार कर किसानों को वितरित किए जा रहे हैं।

प्रो. कुठियाला ने कहा कि विकसित भारत के मिशन में हकृवि की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने किसानों एवं युवाओं से संवाद स्थापित करने के साथ-साथ कृषकों को कृषि क्षेत्र की ओर आकर्षित करने का भी आह्वान किया तथा कृषि को आकर्षक बनाने के लिए युवाओं में सामाजिक, आर्थिक व मनोविज्ञानिक बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पैंचनद हकृवि के माध्यम से किसानों से संवाद शुरू करने की मुहिम को ओर अधिक गति प्रदान करेगा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि जगजीत सिंह घनघस ने बताया कि राष्ट्र की प्रगति के लिए कृषि एवं पॉवर सैक्टर बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों को सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्य सूचना आयुक्त, हरियाणा एवं पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केन्द्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह, डॉ. संदीप आर्य सहित पंचनद संस्थान के अनेक पदाधिकारी, वैज्ञानिक, किसान व छात्र उपस्थित थे।